वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 90 | बुधवार 24 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बजट में विकसित भारत 2047 की रूपरेखा तैयार: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

गरीब, महिला, युवा और किसान के लिए क्रांतिकारी बजट, कर दरों में छूट से मध्यम वर्ग तथा वेतनभोगियों को राहत, 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को मिलेगी मजबूती

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय बजट 2024-25 का स्वागत करते हुए कहा है कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का प्रभावी रोडमैप इस बजट में तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषि, रोजगार, सामाजिक न्याय, नवाचार, ऊर्जा, सुरक्षा, बुनियादी ढांचे सहित 9 प्राथमिकताओं के साथ पेश इस बजट से भारत का विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था से तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त होगा। यह बजट 140 करोड़ देशवासियों एवं 8 करोड़ राजस्थानियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाला साबित होगा। शर्मा ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को क्रांतिकारी और ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि इससे प्रत्येक भारतीय के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में गरीब, युवा, महिला, किसान सहित सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी

कदम उठाए गए हैं। इस बजट में गरीबों को संबल दिया गया है, मध्यम वर्ग को मजबूत किया गया है तथा देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से विकसित करने का मंत्र दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में युवाओं को रोजगार और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए 2 लाख करोड़ रुपये, महिला सशक्तीकरण को गति देने के लिए 3 लाख करोड़ रुपये, कृषि क्षेत्र के लिए 1 लाख 52 हजार करोड़ रुपये तथा ग्रामीण विकास के लिए 2 लाख 66 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान विकास की नई इबारत लिखेगा। मजबूत आधारभूत ढांचे के विकास के लिए बजट में जीडीपी के 3.4 प्रतिशत का प्रावधान किया गया है। शर्मा ने कहा कि इस कल्याणकारी बजट में गरीब और मध्यम वर्ग की आवश्यकताओं का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में 3 करोड़ गरीबों और मध्यम वर्ग का घर का सपना पूरा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि बजट में नई कर प्रणाली के अंतर्गत आयकर में छूट, मानक कटौती की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रुपये करने जैसे प्रावधान कर मध्यम वर्ग और वेतनभोगियों को बड़ी राहत प्रदान की गई है। सीमा शुल्क की दरों में कमी किए जाने से कैंसर की दवाईयों, मोबाइल फोन, सोलर सैल और पैनलों की लागत में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय बजट की इन सभी घोषणाओं से आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प को मजबूती मिलेगी और आने वाले समय में विकसित भारत-विकसित राजस्थान का लक्ष्य प्राप्त होगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना साबित होगी गेम-चेंजर: दीया कुमारी

विकसित भारत के लक्ष्य का रोड़मैप है केन्द्रीय बजट

जयपुर. कासं

उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि किसानों, महिलाओं, युवा और गरीब को ध्यान में रख कर बनाया गया 2024-25 का केन्द्रीय बजट, विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने का रोड मैप है। उन्होंने कहा कि यह देश के सभी वर्गों की आशाओं पर खरा उतरने वाला बजट है। उपमुख्यमंत्री ने बजट घोषणों पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि महिला और बालिकाओं के लिए केन्द्रीय बजट में 3 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण की भी घोषणा की गई है, जिसके अन्तर्गत 25000 गांवों तक रोड बनाई जायेगी। गया के विष्णुपाद मंदिर और बौधगया के महाबोधि मंदिर कॉरिडोर को काशी विश्वनाथ की तर्ज पर विकसित करने, राजगीर और नालंदा को विकसित करने की घोषणा की भी उपमुख्यमंत्री

दिया कुमारी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये दोनों कॉरिडोर, देश-विदेश से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भारत की ओर आकर्षित करेंगे। दीया कुमारी ने कहा कि केन्द्रीय बजट में रोजगार और कौशल विकास के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के साथ-साथ छोटे और मध्यम उद्योगों और मध्यम वर्ग के लिए भी कई घोषणाएं की गयी है। देश में युवाओं को अगले पाँच साल में कौशल विकास के विभिन्न अवसर प्राप्त होंगे और एक करोड़ युवाओं को देश के टॉप 500 कर्पनियों में इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही देश के विभिन्न संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं को दस लाख तक का ऋण उपलब्ध हो पायेगा। अनुसंधान नेशनल रिसर्च फंड के माध्यम से युवाओं को रिसर्च के क्षेत्र मे नये मौके उपलब्ध होगे। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में केन्द्र सरकार ने 1.51 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो रक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र के बजट के बाद सबसे बडा बजट प्रावधान है। मनरेगा स्कीम में भी बजट को 60,000 करोड़ से बढ़ा कर इस बजट में 86000 करोड़ किया गया है, जो स्वागत योग्य है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा योजना के अन्तर्गत मिलने वाले ऋण की सीमा को भी बढ़ा कर बीस लाख रुपये कर दिया गया है। औद्योगिक मजदूरों के लिए पीपीपी मोड़ पर रेन्टल हाउसिग को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने कामगारों के कल्याण के लिए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के टैक्स्टाइल और वस्त्र उद्योग को इसका फायदा मिलेगा, जिसमें बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार कार्यरत है।

मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

डा. एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा हुआ आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद । हरियाणा के ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह ने कहा कि प्रतिभाएं साधनों और सुविधाओं की मोहताज नहीं होती, योग्य व्यक्ति कड़ी मेहनत से स्वयं अपना रास्ता बना लेते हैं। युवा सकारात्मक सोच अपनाकर ही आगे बढ़ सकते हैं। सकारात्मक सोच से हर मंजिल को हासिल किया जा सकता है। वे सोमवार को जिला के गांव खारियां में डा. एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठद माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में आयोजित छठे प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक विचार अपनाते हुए समाज के सभी वर्गों के बच्चों के साथ मिलकर चलने की प्रेरणा भी दी। उन्होंने कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि अन्य बच्चों को भी इनसे प्रेरणा लेकर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने डा. बीआर अंबेडकर भवन खारियां में आयोजित प्रतिमा अनावरण समारोह में भी बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। तत्पश्चात उन्होंने गांव बनवाला में आमजन की समस्याएं सुनी और समाधान बारे अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि युवा किसी भी देश का भविष्य है। किताबी शिक्षा के साथ-साथ वर्तमान में नैतिक शिक्षा की भी जरूरत है ताकि आज का युवा आगे चलकर देश का सभ्य नागरिक बन सके। उन्होंने बच्चों को शिक्षा दी कि आधुनिक विचारों के साथ-साथ सांस्कारित विचारों को भी जीवन में अपनाएं और नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह बच्चों के हौसला अफजाई मे मिल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे हमारे भविष्य की नींव है, नींव जितनी मजबूत होगी उतनी जड़े हमारे देश की मजबूत होंगी।

भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी का विज्ञा तीर्थ गुन्सी में हुआ मंगल प्रवेश

मंगल आगमन पर दूरदराज से श्रद्धालुओं ने भाग लिया

गुन्सी. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज भारतवर्ष के तत्वावधान में मंगलवार को भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संघ का सहस्त्र कूट जिनालय विज्ञा तीर्थ गुन्सी में गाजेबाजे के साथ मंगल प्रवेश किया। आर्यिका माताजी के सहस्त्र कूट मंदिर गुन्सी मे मंगलवार को मंगल पदार्पण को लेकर सैकड़ों श्रद्धालुओं का हुजूम बेंडबाजो के द्वारा नाचते गाते हुए जुलूस रवाना हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के मंगल प्रवेश का जुलूस गुन्सी गांव से रवाना होकर विज्ञा तीर्थ क्षेत्र पहुंचे जहाँ आर्यिका श्री ने मूलनायक भगवान शांतिनाथ के दर्शन किए। आर्यिका संघ का क्षेत्र पर पहुंचने पर कमेटी द्वारा पादप्रक्षालन करके अगुवानी की। जुलूस में कमेटी एवं महिला मण्डलों द्वारा रंगोलियां करके पुष्पवृष्टि की गई इसके बाद जुलूस धर्म सभा में विसर्जित हुआ जहां गणाचार्य विराग सागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन महावीर प्रसाद पराणा नरेश बनेठा हेमंत जैन महावीर प्रसाद छाबड़ा सुनील भाणजा एवं विजय गंगवाल ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एवं मंगलाचरण संगीतकार जितेन्द्र जैन जयपुर संगीत सम्राट अजीत काला गायक विमल जौंला एवं महिला मण्डल एवं नन्हे मुन्ने बच्चों ने किया। इस अवसर पर गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी ने धर्म सभा को सम्बोधित किया। मंगल प्रवेश कार्यक्रम में आर्यिका विज्ञा श्री माताजी का पादप्रक्षालन करने का सौभाग्य सीमा जैन शकुंतला छाबड़ा सुनीता बड़ागांव शशी सोगानी पिंकी कठमाणा यामिनी छाबड़ा अनिता गोयल सुनीता दहलोद रितु चंवरिया बबीता जैन सहित चाकसू एवं जयपुर की उपस्थित सभी महिलाओं एवं पुरुषों को सौभाग्य प्राप्त हुआ। जौंला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने सहस्त्र कूट जिनालय मंदिर में गुरु भक्ति के साथ आरती की।

गुदड़ी मंसूर खां जैन मंदिर में संपन्न हुआ सोलह दिवसीय श्री शांतिनाथ महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया। आचार्यश्री सौरभसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं गुदड़ी मंसूर खां मन्दिर कमेटी के तत्वावधान में सोलह दिवसीय श्री शांतिनाथ महामण्डल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया गया। आगरा के गुदड़ी मंसूर खां स्थित सेट बिहारी लाल जी धर्मशाला के श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में 6 जुलाई से आयोजित हो रहे सोलह दिवसीय विधान का समापन 22 जुलाई को बड़े ही भक्तिभाव के साथ हुआ। विधान के अंतिम दिन 16 दिन के 16 परिवारों के इन्द्र-इन्द्राणियों ने विधानाचार्य श्री रविन्द्र जैन शास्त्री एवं सहविधानाचार्य श्री सौरभ जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ जिनेन्द्र प्रभु के समक्ष मंडल पर 120 अर्घ्य एवं श्रीफल अर्पित कर विधान की मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न कीं। विधान में मौजूद सभी भक्तों ने हाथों में चंबर लेकर संगीतमय मधुर भजनों पर प्रभु के प्रति भक्ति नृत्य किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालु काफी उत्साहित दिखाई दिए। इसके बाद सभी भक्तों ने विश्व शांति के लिए महायज्ञ में आहुतियां देते हुए विश्व शांति की कामना कर विधान का समापन किया। विधान को सफल बनाने में गुदड़ी मंसूर खां सकल जैन समाज का विशेष सहयोग रहोइस अवसर पर,वीरेंद्र जैन,नरेश जैन,राकेश जैन पार्षद,सुभाष जैन मंदिर व्यवस्थापक,बंटू जैन प्रमोद जैन,रविंद्र जैन,अजय जैन धर्मेंद्र जैन,सुनील जैन,दिनेश बंटी जैन, आलोक जैन, सुशीला जैन,विजयलक्ष्मी जैन,अल्पना जैन,सुनीता जैन,पूनम जैन,शशि जैन, विजय जैन,कुसुम जैन कांता जैन, समस्त गुदड़ी मंसूर खां जैन समाज के लोग मौजूद रहे। **रिपोर्ट : सुभाष जैन**

आचार्य शशांक सागर जी महाराज का चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश 25 जुलाई को

ऐतिहासिक जुलूस में 108 परिवार करेंगे पाद पक्षालन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में इस वर्ष होने वाले चातुर्मास के लिए परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज एवम मुनि श्री संदेश सागर जी महाराज का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश कल 25 जुलाई को मानसरोवर की पावन धरा पर होगा। समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि परम पूज्य आचार्य गुरुवर के अगवानी सकल दिगंबर जैन समाज मानसरोवर का प्रत्येक परिवार करेगा इसके लिए विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया शोभा यात्रा के अंतर्गत आने वाले मार्ग पर रहने वाले सभी परिवारजन पूज्य गुरुदेव का पाद पक्षालन एवं आरती करने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे। प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि गुरुदेव प्रातः 7:00 बजे श्याम नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर से बिहार कर कावेरी पथ पहुंचेंगे जहां से श्री दिगंबर जैन समाज वरुण पथ मानसरोवर द्वारा विशाल जुलूस के रूप में के जी पी विद्यालय से कावेरी पथ चेतना पथ नीलम पथ सेक्टर 3 सामुदायिक केंद्र होते हुए पुखराज पथ रजत पथ किरण पथ के रास्ते से वरुण पथ स्थित दिगंबर जैन मंदिर पहुंचेंगे जहां समाज के सभी वरिष्ठ जनों द्वारा गुरुदेव की अगवानी की जाएगी समाज समिति के मंत्री ज्ञान बिलाल ने बताया कि 28 जुलाई 2024 को दोपहर 1:15 बजे झंडा रोहण के पश्चात वरुण पथ स्थित गायत्री भवन में चातुर्मास कलश स्थापना का कार्यक्रम परम पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा।

छात्रों को योग और ध्यान की प्रभावी तकनीकों के बारे में जानकारी दी

जयपुर. शाबाश इंडिया

बेहतर फोकस, तनाव मुक्त मन और स्वस्थ शरीर हर बच्चे की जरूरत है । प्रणायाम, ध्यान और योग इन सभी को पाने हेतु एक बेहतरीन तरीका है । आर्ट ऑफ लिविंग स्वायसेवकों की इसी पहल के तहत सीडलिंग मॉडर्न हाई स्कूल ने आर्ट ऑफ लिविंग के कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें छात्रों को योग और ध्यान की प्रभावी तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षक शिवानी शर्मा ने छात्रों को विभिन्न योग और ध्यान की टिप्स दीं कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल हुईं शिवानी शर्मा ने छात्रों को उत्कर्ष योग और मेधा योग जैसे कार्यक्रमों के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को आत्मविश्वास, चिंता और तनाव प्रबंधन में मदद करने वाली योग और ध्यान की विभिन्न तकनीकों का अभ्यास करने के लाभों के बारे में बताया। कार्यक्रम में छात्रों को सुदर्शन क्रिया जैसी शक्तिशाली श्वास तकनीकों के बारे में भी बताया गया, जो मन को शांति, स्पष्टता और रचनात्मकता प्रदान करती हैं। उन्होंने छात्रों को नियमित अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे इन तकनीकों का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साह से भाग लिया और योग और ध्यान के अभ्यास का आनंद लिया। स्कूल प्रशासन ने इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी की प्रेरणा से जिलेभर में स्वास्थ्य और खुशी फैला रहे आर्ट ऑफ लिविंग स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है की छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा समय समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार द्वारा मानव सेवार्थ पखवाड़ा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

अध्यक्ष, मोहन लाल गंगवाल द्वारा अवगत करवाया गया की उपरोक्त पखवाड़े के तहत दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के द्वारा दिनांकः 20 जुलाई को प्रातः 9.30 बजे ज्ञान चन्द जैन, निवासी, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर के सौजन्य से पिंजरापोल गौशाला, सांगानेर में गायों को हरा चारा एवं गुड़ वितरण किया गया एवं सभी उपस्थित सदस्यों को नाश्ता करवाया गया। दिनांकः 22 जुलाई 2024 को ग्रुप द्वारा 64 सदस्यों को धार्मिक यात्रा नारायणी माता मन्दिर, भानगढ़, अजबगढ़ एवं विराट नगर करवाई गई। प्रातः का नाश्ता बस में भोजन नारायणी माता मन्दिर प्रांगण में सायंकालीन भोजन अजबगढ़ मन्दिर प्रांगण में करवाया गया। अजबगढ़ जैन मन्दिर में ग्रुप की मीटिंग आयोजित की गई एवं वहां की आवश्यकता को ध्यान मे रखते हुए 12 छत के पंखे मय फिटिंग के भेंट किए जाने का एलाउंस किया गया जिसमे अध्यक्ष,मोहनलाल गंगवाल, कार्याध्यक्ष, सुरेश जैन बांदीकुई द्वारा दो - दो पंखे एवं कोषाध्यक्ष, कैलाश चन्द सेठी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष,राजेन्द्र कुमार बाकलीवाल ,सुरेश

जैन बज, सतीश काला, ज्ञान चन्द गंगवाल, राज कुमारी सोगानी,प्रेमलता पाटनी द्वारा एक - एक पंखा एवं ग्रुप द्वारा दिए जाने की घोषणा की गई। दिनेश कुमार जैन,एडवोकेट द्वारा भगवान अजीतनाथ जी का प्रक्षाल/कलशाभिषेक किया गया। मन्दिर समिति के द्वारा ग्रुप सदस्यों का स्वागत किया गया एवं ग्रुप सदस्यों द्वारा मन्दिर समिति सदस्यों का स्वागत द्वारा गया। कौशल्या जैन, प्रेमलता सेठी, रतन सोगानी,राज कुमारी सोगानी, कुसुम बज एवं सुनिला पहाड़िया आदि महिलाओं द्वारा भजनों एवं गीतों पर भरपूर नृत्य प्रस्तुत किया गया है। विराटनगर मन्दिर में सामूहिक आरती की गई। अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों के सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया। रात्रि को 11.30 बजे जयपुर लोटकर आए।

वेद ज्ञान

जीवन और संभावना...

प्रतिकूल परिस्थितियों से निकलकर सफलता तक जाने वाली हर यात्रा अनोखी और अद्वितीय होती है। सवाल इस बात का नहीं होता कि आप आज क्या हैं, क्या कर रहे हैं, क्या उम्र और समय है? जीवन में सफलता और असफलता, सुख और दुख, हर्ष और विषाद साथ-साथ चलते हैं, लेकिन जीवन उनका सार्थक है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी मुस्कराते हैं। इतिहास साक्षी है कि मनुष्य के संकल्प के सम्मुख देव, दानव सभी पराजित होते हैं। अक्सर जीवन में हम भंवर में फंस जाते हैं। ऐसा लगता है कि सारे दरवाजे बंद होते जा रहे हैं, जबकि वास्तव में ऐसा होता नहीं है। ये वो अवसर रूपी दरवाजे होते हैं, जिनसे हमें उम्मीद होती है। अक्सर ऐसी स्थिति पहले निराश करती है। फिर कुंठा देती है और तन-मन को हताशाओं से भरने लगती है। बिखराव शुरू हो जाता है, चरित्र बदलने लगता है, लेकिन कुछ लोग इन्हीं स्थितियों में मजबूत होते हैं और खराब समय को ही अपने जीवन को स्वर्णिम ढंग से रूपांतरित करने वाला समय बना देते हैं। जो विपरीत हालात में धैर्य और खुदी को बुलंद रखता है, उसके रास्ते से बाधाएं हटती ही हैं, बेशक देर लग जाए। अगर पत्थर पर लगातार रस्सी की रगड़ से निशान उभर आते हैं तो अकूत संभावनाओं से भरी इस दुनिया में क्या नहीं हो सकता, जहां सभी के लिए पर्याप्त अवसर और पर्याप्त रास्ते हैं। जब हम सही रास्ते की तलाश कर रहे होते हैं तब अक्सर हम बाधाओं से तब टकराते रहते हैं और सही रास्ता मिलने पर सफलता की ओर हमारे पैर खुद ही बढ़ने लग जाते हैं, लेकिन अक्सर इस तलाश में ही बहुत सारे लोग निराश हो जाते हैं, धैर्य खो देते हैं और किस्मत को कोसने लगते हैं। शेक्सपीयर कहते थे कि हमारा शरीर एक बगीचे की तरह है और दृढ़ इच्छाशक्ति इसके लिए माली का काम करती है, जो इस बगिया को बहुत सुंदर और महकती हुई बना सकती है। एक विद्वान ने कहा है कि किसी भी तरह की मानसिक बाधा की स्थिति खतरनाक होती है। खुद को स्वतंत्र करिए। बाधाओं के पत्थरों को अपनी सफलता के किले की दीवारों में लगाने का काम करिए। अच्छे काम के लिए धन की कम आवश्यकता पड़ती है, पर अच्छे हृदय और संकल्प की अधिक।

संपादकीय

संविधान की रोशनी में आगे बढ़ना चाहिए

सर्वोच्च न्यायालय ने पक्ष-विपक्ष में तर्क सुनने के बाद उस विवादास्पद आदेश पर शुक्रवार तक रोक लगा दी है, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों को मालिकों व कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने साफ कर दिया है कि खाद्य विक्रेताओं को मालिक, कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। न्यायालय ने उत्तर

प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों को नोटिस भी दिया है। तय है, याचिकाकर्ता ने अपनी मजबूत दलीलों से सर्वोच्च न्यायालय से अपने अनुकूल अंतरिम आदेश प्राप्त कर लिया है और अब गेंद इन सरकारों के पाले में है, उन्हें अपने आदेश के बचाव में अकाट्य तर्क के साथ पेश होना पड़ेगा। दुकानों-ठेलों पर मालिक को नाम लिखने के लिए बाध्य करने वाला यह आदेश व्यापक है और इससे समाज में एक बड़े बदलाव की शुरूआत हो सकती है। अतः संविधान की रोशनी में आगे बढ़ना चाहिए। यह अच्छी बात है कि न्यायालय अपने अंतरिम आदेश में भी सतर्क है। न्यायालय की भी यही मर्जी है कि कांवड़ियों (तीर्थयात्रियों) को उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप शाकाहारी भोजन परोसा जाए और स्वच्छता के मानकों को बनाए रखा जाए। न्यायालय को प्रथम दृष्टया भारतीय गणराज्य के धर्मनिरपेक्ष चरित्र की चिंता है और याचिकाकर्ता भी इस मोर्चे पर अपनी आशंकाओं का समाधान चाहते हैं। एक तर्क यह भी है कि केवल नाम या पते के प्रदर्शन से शुचिता या पवित्रता बहाल नहीं होगी और न इच्छित उद्देश्य की प्राप्ति होगी। याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया है कि आप किसी रेस्तरां में व्यंजन सूची के आधार पर जाते हैं, न कि कौन परोस रहा है। यदि किसी दुकानदार का नाम-मजहब स्पष्ट हो जाएगा, तो पहचान के आधार पर बहिष्कार की आशंका है। याचिकाकर्ता ने यह भी तर्क दिया है कि अनेक शाकाहारी रेस्तरां के मालिक हिंदू हैं, पर वहां मुस्लिम भी काम करते हैं, तो क्या इस आधार पर भी भेदभाव किया जाएगा? इसमें कोई शक नहीं कि इस आदेश के खिलाफ आशंकाओं की एक लंबी फेहरिस्त तैयार हो गई है। एक दिलचस्प विवरण तो न्यायमूर्ति भट्टी ने सुनाया, ह्यकेरल में एक शाकाहारी होटल है, जिसे एक हिंदू चलाता है और एक होटल मुसलमान चलाता है। एक न्यायाधीश के रूप में मैं उस होटल में जाता था, जिसे मुसलमान चलाता था और वह स्वच्छता का अंतरराष्ट्रीय मानक बनाए रखता था। मतलब, शुचिता और गुणवत्ता का धर्म से कोई लेना-देना नहीं है, खान-पान सेवा में सही मानसिकता होनी चाहिए। बहरहाल, कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। सावन का पहला सोमवार बीत चुका है और अब दुकानदारों के साथ ही कांवड़ियों पर भी किसी तरह का दबाव नहीं है, पर दुकानदारों के साथ ही कांवड़ियों और अन्य ग्राहकों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। गुणवत्ता और स्वच्छता के प्रति सजगता जरूरी है, यह एक ऐसा मसला है,

परिदृश्य

विकास की चुनौती

जोशीमठ डरावने संकेत दे रहा है। मुसीबत सिर्फ इस इलाके में नहीं बल्कि खतरा पूरे हिमालयीन क्षेत्र के लिए है। जोशीमठ, बद्रीनाथ और केदारनाथ का प्रवेश द्वार होने के लिहाज से हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह तीन महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों- हेमकुंड साहिब, बद्रीनाथ और शंकराचार्य मंदिर जाने का रास्ता है। चार धाम यात्रा करने वालों के लिए भी यही रास्ता है। इसलिए इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से निर्माण होना चाहिए। लेकिन यहां बेतरतीबी से हो रहा विकास मुसीबत बनता जा रहा है। हिमालयी इलाके भूस्खलन से अस्थिर होकर अपरिवर्तनीय क्षय में प्रवेश कर रहे हैं। इन इलाकों में बेतरतीब और बिना सोचे-समझे हुए शहरीकरण, बदलती जलवायु और हमारी अक्रियाशीलता इसके लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। शहरीकरण के चलते पहाड़ों पर कंक्रीट में बदल रहे लकड़ी के घर, अनप्लांड कंस्ट्रक्शन, टूरिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बढ़ रहे होटल-रिजॉर्ट आदि में बेतहाशा इजाफा, जल विद्युत परियोजनाओं के चलते नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा, पर्यावरण के लिहाज इस संवेदनशील क्षेत्र में बेतरतीब निर्माण और नियमों की अवहेलना का एक और नमूना है। हिमालय का दरकना जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम के बिगड़े तेवरों की मिली जुली कहानी भी बयां करता है, जो प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों है। जलवायु परिवर्तन के कारण वायुमंडल में नमी की मात्रा बढ़ रही है, जिससे भारी बारिश और खतरनाक हीटवेव आ रही हैं। इस साल उत्तराखंड ने पिछले दो महीनों में चरम मौसम की स्थितियों का सामना किया है। देहरादून में 9 जून से 20 जून तक लगातार 11 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा। वहीं, मई में भी शहर में आठ दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। मुक्तेश्वर में मई में कम से कम पांच मौकों पर तापमान लगभग 30 डिग्री रहा, जो पहाड़ी इलाकों में हीटवेव का संकेत है। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान और लंबे सूखे की अवधि ने जंगलों में आग की घटनाओं को भी बढ़ा दिया है। जून में जहां अधिकतम तापमान ने रिकॉर्ड तोड़े, वहीं जुलाई में मूसलधार मानसूनी बारिश ने बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा कर दी। 1 जून से 10 जुलाई तक उत्तराखंड में कुल बारिश 328.6 मिमी दर्ज की गई, जो सामान्य 295.4 मिमी से 11% अधिक है। इस समय, राज्य के सभी 13 जिलों में जुलाई के महीने में बारिश का अधिशेष दर्ज किया गया है। देश का एक बड़ा हिस्सा सिस्मिक जोन-5 में आता है, जो भूकंप की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील है। इसमें उत्तराखंड भी शामिल है। पर्वतीय क्षेत्रों की प्राकृतिक संपदा का दोहन तो किया ही गया, वहां से निकलने वाली नदियों से भी छेड़छाड़ की गई। उत्तराखंड कोई अकेला राज्य नहीं है, जहां पर घरों और अन्य भवनों के निर्माण में सिविल इंजीनियरिंग के मानकों की धज्जियां उड़ाई गई हों। उत्तराखंड जैसी ही कहानी हिमाचल की भी है। पर्वतीय क्षेत्रों में किए जाने वाले अंधाधुंध निर्माण को लेकर पर्यावरणविदों एवं वैज्ञानिकों ने बार-बार आगाह करने की कोशिश की लेकिन ना तो वहां रहने वालों ने और ना स्थानीय सरकारों ने इस बारे में कोई खास तवज्जो दी।

एक पेड़,मॉ के नाम अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

वृक्ष लगाना, हमारे जीवन को जीवंत करना : प्रदीप लारिया विधायक

मकरोनिया (सागर)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभियान एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण गौरनगर मकरोनिया सागर में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक मुख्य अतिथि मा.इंजी प्रदीप लारिया विशिष्ट अतिथि मिही लाल अहिरवार अध्यक्ष नगर पालिका मकरोनिया, युवा उद्योगपति एवं समाज सेवी कपिल मलैया सागर, महेंद्र सिंह ठाकुर पार्षद,विवेक सक्सेना जी पार्षद, नरेंद्र सिंह पूर्व पार्षद प्राचार्य विद्यासागर जी उपाध्याय, मनीष शास्त्री विद्यार्थी मंचासीन रहे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत, स्वागत भाषण प्राचार्य श्रीमती भारती निगम दिया। सभी मंचासीन अतिथियों का सम्मान माला स्मृति चिन्ह बैच लगाकर प्राचार्य महोदय एवं संजय श्रीवास्तव किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती

सविता लारिया एवं आभार श्रीमती अर्चना जैन ने माना। युवा उद्योगपति कपिल मलैया ने कहा कि वृक्षों को लगाना हमारे जीवन को बचाना है। किस वृक्ष से लगाने से क्या लाभ होता है इस विषय में भी उन्होंने प्रकाश डाला विगत वर्षों में वृक्षारोपण करवायें जो आज उनका लाभ हम ले रहे हैं। नगर पालिका अध्यक्ष मिहिलाल जी ने कहा कि स्कूल प्रांगण में आज हमने वृक्षारोपण किया है और कल हमें इसे फल भी मिलेंगे और छाया भी साथ में शुद्ध ऑक्सीजन और वातावरण शुद्ध जो हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

एडुकिड्स स्कूल में इटरनल हॉस्पिटल के द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

एडुकिड्स प्री प्राइमरी स्कूल मानसरोवर जयपुर में इटरनल हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। एडुकिड्स स्कूल की प्रिंसिपल सुमन ब्याडवाल ने बताया कि शिविर में बाल रोग एवं दंत चिकित्सकों ने विद्यार्थियों की जांच की। स्वास्थ्य शिविर छात्रों को आवश्यक जांच, संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और तुरंत समाधान प्रदान करते हैं। शिविर में 2 से 6 वर्ष के 90 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्रों के अभिभावकों ने एजुकिड्स स्कूल और इटरनल हॉस्पिटल के प्रयासों की खूब सराहना की ।

वीर शासन जयन्ती पर धर्मदेशना प्रभावना से बही ज्ञान की गंगा

वीर शासन जयंती के दिन ही भगवान महावीर स्वामी का शासनकाल प्रारंभ हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में कीर्ति नगर में चातुर्मास कर रहे युवामुनि श्री 108 समत्वसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कीर्ति नगर, टोंक रोड़, में वीर शासन जयन्ती पर्व बड़ी धूम- धाम मनाया जिसमें मुनिश्री 108 समत्वसागर जी महाराज को पूरे राजस्थान की ओर से प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन सभा द्वारा की सकल समाज की उपस्थिति में 'की ऑफ यूथ' की उपाधि दी गई। क्योंकि मुनिवर ने एम.टेक की डिग्री प्राप्त कर गूगल कम्पनी अमेरिका से नौकरी छोड़कर वैराग्य धारण कर मुनि बन गए एवं आज वो पूरे देश में युवाओं में धार्मिक संस्कार पैदा कर मुख्य के मुख्य धर्म उपदेशक के रूप में संस्थापित हो गई और युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श बन कर धर्म की प्रभावना कर रहे है। जयपुर का सौभाग्य है ऐसे मुनिवर के चातुर्मास को पाकर । राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद ने बताया समारोह का प्रारम्भ राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, उपाध्यक्ष मुकेश सौगानी, मंत्री विनोद कोटखावदा, सदस्य अशोक जैन नेता, महेश काला, अनिल छाबड़ा, प्रदीप जैन बड़जात्या, जिनेन्द्र गंगवाल जीतू, यशकमल अजमेरा, राजीव पाटनी, अशोक पाटनी, सूर्यप्रकाश छाबड़ा, निर्मल कासलीवाल, राकेश गोधा ने सभा का चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन एवं मुनिद्वय का पाद-प्रक्षालन किया। इस अवसर पर कीर्ति नगर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष अरुण काला मटरु, मंत्री जगदीश जैन, आशीष बैद, सुरेन्द्र गोधा, प्रकाश गंगवाल, प्रेम कुमार जैन रांवका को राजस्थान जैन सभा द्वारा सम्मानित किया गया। मंगलाचरण मुनिश्री 108 शीलसागर जी महाराज द्वारा हुआ। दोनो मुनिद्वय को राजस्थान जैन सभा द्वारा प्रकाशित महावीर जयन्ती स्मारिका जिनवाणी स्वरुप भेंट की। इस अवसर पर मुनिश्री 108 समत्वसागर जी महाराज ने कहाँ कि आज के युग में यदि मानव भगवान महावीर स्वामी के संदेशों को, आदर्शों को अपने आचरण में उतार ले तो वह विश्वव्यापी बन सकता है। उन्होने कहाँ कि अनेकानेक पर्व, त्योहार तो सदैव आते रहते हैं, लेकिन वीर शासन जयंती का पर्व पूरे साल में एक बार ही आता है। वीर शासन जयंती के दिन ही भगवान महावीर स्वामी का शासनकाल प्रारंभ हुआ था, जो अब तक चल रहा है। वीर शासन जयंती के दिन भक्त और मुनि दोनों भगवान से जुड़ते हैं। धन्य है आज का पावन दिवस, जिस दिन भगवान महावीर स्वामी की 66 दिनों के बाद दिव्य ध्वनि खीरी, दिव्य ध्वनि खिरने के पश्चात भगवान महावीर स्वामी के संदेशों को पूरे विश्व में स्वीकार किया। इससे पूर्व सभा अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने कहाँ कि हम आज भगवान महावीर स्वामी को नहीं देख पा रहे हैं, लेकिन उनके शमचयाधारी दिगंबर मुनिराजों के दर्शन कर रहे हैं, यह अनेक शुभ कर्मों का ही फल है। सभा का संचालन महामंत्री मनीष बैद ने किया।

चंद्र शेखर आजाद और लोकमान्य तिलक को जन्म जयंती पर याद किया

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल के वागड़ जोन डूंगरपुर बांसवाड़ा द्वारा भारत की आजादी के स्वर्णिम स्तंभों चंद्र शेखर आजाद एवं लोकमान्य बालगंगाधर तिलक का उनकी जन्म जयंती पर पावन स्मरण कर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एम आई के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, जोन कॉर्डिनेटर नयनेश जानी, जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन, जोन सचिव विनोद दोसी, जीसी मेंबर विनोद दोशी, एपेक्स ट्रस्टी डुंगरलाल पटेल, सुरेश गांधी, प्रितल पंड्या तथा रामभरत चेजारा ने आजाद एवं तिलक के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा कर उन्हे भारत मां के महान सपूत बताया। इस अवसर पर अजीत कोठिया ने कहा की दोनो वीरों का जन्म एक ही तिथि को होना सुखद संजोग है और आजादी की लड़ाई मे इनकी शहादत को आने वाली पीढ़ियां याद रखेगी। सभी ने दोनो वीरों की स्मृति में दो मिनट का मौन रख भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

चातुर्मास एक पर्व है जिसमें संत और श्रावक एक स्थान पर रहकर ईश्वर की आराधना करते हैं : आर्यिकारत्न नंदीश्वर मति माताजी

गुरु मां आर्यिकारत्न नंदीश्वर मति माताजी ससंघ सान्निध्य में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना एवं गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से हुआ आयोजित

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी। सकल दिगम्बर जैन समाज नावा सिटी द्वारा गुरु मां आर्यिकारत्न नंदीश्वर मति माताजी के ससंघ सान्निध्य में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना एवं गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। जैन समाज अध्यक्ष नवीन गोधा ने बताया कि इस अवसर पर सर्वप्रथम जैन मंदिर में प्रातः शुभ बेला में श्री जी का महा मस्तकाभिषेक, शांतिधारा, प्रक्षालन के साथ नित्य नियम पूजन किया गया। इसके बाद जैन ध्वज को साथ लेकर भव्य जुलुस निकाला गया। जिसमे पूज्य माताजी सहित जैन समाज के सभी सदस्य एवं अतिथि गण सम्मिलित हुए। जुलूस यात्रा के पुनः जैन मंदिर पहुंचने के पश्चात ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी समस्त क्रियाये माताजी के सानिध्य एवं पंडित आशीष जी सीकर वालों के निर्देशन में करवाई गयी। ध्वजा रोहण करने का सौभाग्य जयकुमार, महेंद्रकुमार, अमृतलाल, सुमेरचंद, प्रेमचंद कैलाश, आलोक एवं समस्त काला परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात माताजी की आहारचर्या सम्पन्न हुई। इसके बाद माताजी को बैंड-बाजे के साथ कार्यक्रम स्थल ज्ञानसागर भवन पाण्डाल में लाया गया। जहां पर चातुर्मास मंगल कलश स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बा. ब्र. दीपा दीदी के मंगलाचरण से किया गया। चित्र अनावरण शांतिलाल नवीन कुमार सौरभ मनीष गोधा परिवार द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन सुमेरचंद नरेन्द्र कुमार गोधा मंडा वालों ने किया। इसके बाद समाज के छोटी छोटी बालिकाओं एवं समता बहुमंडल की महिलाओं ने नृत्य के साथ शानदार प्रस्तुती दी। कार्यक्रम का मंच संचालन पंडित आशीष जी शास्त्री सीकर वालों ने किया। कार्यक्रम में संगीतकार सोनू एण्ड पार्टी के मधुर भजनों पर माताजी का भक्ति भाव से नाचते गाते हुए भक्तों ने गुनाणुवाद किया। इस दौरान सुंदर भजनों व जयकारो से माहोल

भक्ति मय हो गया। इसके बाद सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा आर्यिका गुरुमाँ नंदीश्वर मति माताजी को श्री फल भेंट कर मंगल चातुर्मास कलश स्थापना के लिए निवेदन किया गया। निवेदन पश्चात चातुर्मास के लिये मंगल कलशो की बोलिया प्रारम्भ हुई। जिसमे प्रथम मुख्य कलश को प्राप्त करने का सौभाग्य राजेश कुमार जितेन्द्र कुमार मानव कुमार पाटनी नावां वालों को मिला, इस प्रकार जितने भी मंगल कलश माताजी के सम्मुख रखे हुए थे उन सब को बोलियो के माध्यम से सौभग्यशाली परिवारों ने प्राप्त किया। ये सभी कलश वर्षायोग के चार महीनो के लिये माताजी के कक्ष में रखे गये। चार महीने पश्चात पुण्यार्जक परिवारों को ये कलश वितरित कर दिये जायेंगे। चातुर्मास मंगल कलश स्थापना के दौरान ही गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन भी किया गया। जिसमे सर्वप्रथम श्री जिनेन्द्र भगवान को अर्घ समर्पित किया गया, इसके बाद माताजी के दीक्षा गुरु को अर्घ समर्पित किया गया। तत्पश्चात माताजी की अष्टद्रव्यों से संगीतमय पूजन की गयी। जिसमे पुण्यशाली परिवारों द्वारा नाचते गाते माताजी की पूजन की गयी। इस दौरान माताजी का पाद प्रक्षालन भी बोली के माध्यम से किया गया। जिसका सौभाग्य अनिल कुमार, प्रमोद कुमार काला सांभर लेक वालों को प्राप्त हुआ। माताजी को जिनवाणी भेंट समता देवी पांड्या खोरा वाले परिवार द्वारा की गयी। माताजी एवं दीदी जनो को वस्त्र भेंट पदम कुमार कैलाश चंद पांड्या परिवार कुचामन वालों ने किया। कलश स्थापना के दौरान आर्यिका माँ नंदीश्वर मति माताजी ने कहा कि चातुर्मास एक पर्व है जिसमें संत और श्रावक एक स्थान पर रहकर ईश्वर की आराधना करते हैं तप, ध्यान करते हैं। चातुर्मास ही एक मात्र ऐसा पर्व है जो श्रावकों को संतों से जोड़ता है, जिसमें आराधना करने से ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है। ये अपनी श्रद्धा और आराधना से संभव है। यह पर्व आराधना का महापर्व है संतों और श्रावकों की आस्था का केन्द्र है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास का पावन पर्व धर्म के संस्कारो का पर्व है, जिसमें प्रत्येक श्रावक गुरुओं का सान्निध्य प्राप्त कर संस्कारों को अपने मन में भरता है, जिससे वह अपने आने वाली पीढ़ी को भी संस्कारित करता है। जैन समाज अध्यक्ष नवीन गोधा ने बताया की कार्यक्रम के दौरान राजमंत्री विजय सिंह चौधरी भी माताजी का आशीर्वाद लेने पहुचे। माताजी ने दोनों हाथो से राज्यमंत्री को आशीर्वाद प्रदान किया। स्थानीय समाज एवं बाहर से पधारे सभी अतिथि गणो की भोजन एवं अल्पाहार की व्यवस्था महावीर प्रसाद पदम कुमार गंगवाल परिवार मिठड़ी वालों की तरफ से की गयी। स्थानीय समाज एवं चातुर्मास कमेटी ने बाहर से पधारे सभी अतिथियों व बोली लेने वाले सभी पुण्यार्जक परिवारों का स्वागत सम्मान किया। कलश स्थापना कार्यक्रम के पश्चात माताजी को वापस मंदिर जी लाया गया, जहाँ सभी कलशो को माताजी के कक्ष में विराजमान किया गया। संध्याकाल में महाआरती का आयोजन किया गया जिसका सौभाग्य पवन कुमार विमल कुमार गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ। इस प्रकार कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये माताजी ने सभी पदाधिकारियो को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। सभी जन ने एक दूसरे को बधाई दी।

तीर्थकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मनाया गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 20 वें तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्ल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के मुनिसुव्रतनाथ जिनालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना करने के बाद नवदेवताओं की पूजा, विभिन्न तीर्थंकरों की पूजा करने के बाद विभिन्न पूर्वाचार्यों की पूजा की गई बाद में जैन धर्म के 20 वें तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान का सामूहिक रूप से जयकारों के साथ गर्भ कल्याणक का अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की गई।कार्यक्रम में कार्यक्रम में कपूरचंद जैन नला ,मोहनलाल झंडा, भागचंद टीबा वाले,महावीर कठमाणा, केलास कासलीवाल , हनुमान कलवाड़ा, प्रेमचंद कठमाना, हरकचंद झंडा, सोभामल सिंघल,पंडित संतोष बजाज, रमेश बजाज, महावीर बजाज,महावीर प्रसाद मोदी,पारस चोधरी, विमल कलवाडा,कमलेश झंडा, कमलेश चोधरी,विनोद ,कमल झंडा,पदम टीबा वाले,राकेश कुमार मांदी, अशोक कुमार मोदी, सुशील कासलीवाल, जीतू मोदी, तथा प्रेमदेवी पंसारी, विमला मोदी, कमला कासलीवाल, मंजू झंडा, शोभा झंडा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

हास्य धारावाहिक "चलता पुर्जा" की शूटिंग शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया। हास्य धारावाहिक 'चलता पुर्जा' का पहला शेड्यूल रविवार को जगतपुरा में संपन्न हुआ। धारावाहिक का मुहूर्त पूर्व अतिरिक्त निदेशक गोविंद पारीक ने किया। धारावाहिक के निदेशक अनिल मारवाड़ी है। इस धारावाहिक के लेखक संतोष निर्मल और पीयूष कुलश्रेष्ठ है। इस धारावाहिक में राजेंद्र शर्मा राजू, मनोज स्वामी, रेनू सनाढय, विनोद सागर गढ़वाल और चंद्रशेखर शर्मा अभिनय कर रहे हैं। धारावाहिक के कैमरामैन आदित्य बागिया हैं।

राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी भव्य चातुर्मास कलश स्थापना व गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे

गुरु मां नंदीश्वर मति माताजी के श्री चरणों में श्रीफल भेंट करते हुए नमन कर लिया आशीर्वाद

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी। राजस्व, उपनिवेशन व सैनिक कल्याण राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी रविवार को सकल दिगंबर जैन समाज नावा सिटी द्वारा गुरु मां नंदीश्वर मति माताजी के सानिध्य में आयोजित भव्य चातुर्मास कलश स्थापना व गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करने ज्ञान सागर भवन श्री सन्मति दिगंबर जैन विद्यापीठ पहुंचे ' प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने माता जी के श्री चरणों में श्रीफल भेंट करते हुए गुरु मां नंदीश्वर मति माताजी को नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया ' इस अवसर पर जैन समाज अध्यक्ष नवीन गोधा, मंत्री रमेश चंद झाझरी, कोषाध्यक्ष अशोक छाबड़ा व चातुर्मास कमेटी संयोजक विमल गंगवाल के नेतृत्व में जैन समाज द्वारा राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी का तिलक लगाकर, माला पहनाकर, दुपट्टा ओढाकर व साफा बंधन कर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया ' इस दौरान उपखंड अधिकारी विश्वामित्र मीणा, तहसीलदार सज्जन राम, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रकाश योगी, नावा नगर पालिका अध्यक्ष सायरी देवी गांधी, जिला भाजपा उपाध्यक्ष व प्रधान प्रतिनिधि एडवोकेट राजेश गुर्जर, मारोठ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष व पूर्व सरपंच चुन्नीलाल माली, भाजपा महिला नेत्री पूजा कुमावत, भाजपा युवा नेता निर्मल योगी आदि गणमान्य नागरिकों का भी जैन समाज द्वारा अभिनंदन किया गया ।

एक वृक्ष माँ के नाम

जयपुर. शाबाश इंडिया

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन द्वारा एक वृक्ष माँ के नाम को साकार करते हुए रविवार 21 जुलाई 2024 गुरु पूर्णिमा को सेंट्रल पार्क सी - स्कीम, जयपुर में विशाल पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर ने बताया कि इस अवसर पर नगर निगम ग्रेटर चेयरमैन जितेन्द्र श्रीमाली व सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर और प्रोड्यूसर महावीर कुमार सोनी , समाजसेविका मनीषा जैन , फिल्मकार मिताली सोनी, नरेन्द्र बैद , राजेश नागपाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वृक्षारोपण कर सभी ने इनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही के वीडियो देख सकेंगे आमजन

इतिहास से लोग सजीव रूप से हो सकेंगे रूबरू

जयपुर. कासं। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा की कार्यवाही के वीडियों अंश वेबसाइट और यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध कराने की ऐतिहासिक पहल की है। देश की विधान सभाओं में राजस्थान विधानसभा कदाचित ऐसी विधानसभा है जहां विधानसभा के सदन की कार्यवाही के साथ वीडियों अंश भी उपलब्ध कराए गए है। विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने बताया कि राजस्थान विधान सभा की सन 1997 से कार्यवाही को विडियो रूप में उपलब्ध कराया गया है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

धेर्य के साथ आगे बढ़ना ही सबसे बड़ी तपस्या है : अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज

मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ भवन में धर्म सभा में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। साधुओं के साथ श्रावकों के लिए वर्षा योग बडा महत्वपूर्ण होता है। चातुर्मास की सबसे बडी उपलब्धि ज्ञान का प्रकाश हमारी आत्मा पर पडता रहे। अहिंसा धर्म की स्थापना करने के लिए साधु को चार माह एक स्थान पर रुकना पडता है। ये विचार अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन भवन पर मंगलवार 23 जुलाई को आयोजित चातुर्मासिक धर्म सभा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन में वीजन होना चाहिए। बिना वीजन के जीवन जीने का कोई मतलब नहीं है ।मानव में छिपी हुई शक्ति होती है। उसका सदुपयोग करना चाहिए। तीर्थंकरों ने हमें राह दिखाई है लेकिन उस राह का पालन करना हमारा कर्तव्य है। जल्दबाजी में कुछ नहीं मिलता है। धेर्य के साथ ही आप सब कुछ पा सकते हैं धेर्य की कमी होने पर कुछ भी अच्छा नही लगता है। धेर्य के साथ आगे बढ़ना ही सबसे बड़ी तपस्या है धेर्य के साथ स्पीड मेंटेन करना ही जीवन मे सुख शांति समृद्धि का प्रतीक है।भगवान महावीर स्वामी ने निरंतर चलते रहने को ही तप कहा है जो करना वह निरंतर तथा प्रतिदिन करना है। धेर्य के साथ चार महीने निरंतर रहकर अपने जीवन का कल्याण करना है। नगर की सीमा बनानी है तथा रात्रि में भोजन नहीं करना है ।पुराना आचार मुरब्बा नही खाना चाहिए। प्रतिदिन प्रवचन सुनने धर्म सभा में आना ही है। मुनि श्री ने बताया कि जैन तीर्थंकरों की कथा वाचन शीघ्र शुरू किया जाएगा जिसमें सर्व प्रथम जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की कथा सुनाना चालू किया जाएगा। इससे पूर्व मनीष - रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। इस मौके पर समाजश्रेष्ठी उत्तम चन्द पाटनी, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, नरेन्द्र जैन दर्शन बाकलीवाल, शीतल कटारिया एवं अजीत तोतूका ने आचार्य विद्यासागर एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया।

वर्द्धमान केम्पस में संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर का अवलोकन कर जिला पुलिस अधीक्षक ने की मुक्त कण्ठ से सराहना

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा संचालित वर्द्धमान गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कालेज स्थित खेतपालिया स्किल डेवलपमेंट सेन्टर में महानगरों की तर्ज पर, अत्याधुनिक साधन सुविधाओ के साथ संचालित फैशन डिजाइनिंग & मेकअप आर्टिस्ट विंग का अवलोकन कर ब्यावर जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र कुमार ने जमकर सराहना की तथा उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि ब्यावर जिले में इस प्रकार की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं युक्त महिला कौशल विकास केंद्र संचालन अकल्पनीय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक इंसान में अपनी कला-कौशल छिपा होता है उस कौशल क्षमता को निखारने की आवश्यकता है। इस स्किल डवलपमेंट सेंटर का अवलोकन कर हर्ष प्रकट किया कि यहां महिलाओं एवम युवतियों के लिए लेटेस्ट तकनीक, अनुभवी एवम विषय के पारंगत व अनुभवी ट्रेनर, प्राध्यापक सुलभ है साथ ही युवतियों हेतु वातानुकूलित एवम पूर्णतया सुरक्षित माहौल है। हर्ष व्यक्त करते हुए एस पी साहब ने शीघ्र ही अपनी दोनों बेटियों को भी इस केंद्र का अवलोकन करवाने हेतु अपनी मंशा भी जताई। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख, महाविद्यालय प्राचार्य डा आर सी लोढ़ा ने जिला पुलिस अधीक्षक का माल्यार्पण कर हार्दिक स्वागत किया। फैशन डिजाइनिंग केंद्र की प्रभारी छवि गरवाल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनन्दन किया। मॉस कमन्यूकेशन & जर्निलिज्म व्याख्याता पूजा कांजानी ने वर्तमान सत्र में संचालित विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए,शैक्षणिक प्रगति एवम भावी योजनाओं का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर इंटेक ब्यावर चेप्टर के कन्वीनर रामप्रसाद कुमावत, युवा पत्रकार ईशान कुमावत, शिक्षण समिति मैनेजर नेहा जैन, चंद्रेश परदेशी, बबलू अग्रवाल ,फेकल्टी प्रियंका, शबाना शेख एवं फैशन डिजाइनिंग & मेकअप आर्टिस्ट विषय की बड़ी संख्या में उपस्थित स्टूडेंट्स ने करतल ध्वनि से अतिथियों का स्वागत कर प्रसन्नता जताई। इंटेक द्वारा आयोजित पुरुस्कार एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक ने शिरकत किया ।

नीता अंबानी ने एनएमएसीसी में भव्य गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया

मुंबई. शाबाश इंडिया

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष श्रीमती नीता अंबानी ने नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) में गुरु पूर्णिमा का भव्य आयोजन किया। यह आयोजन, जो पिछले वर्ष शुरू हुआ था, गुरु-शिष्य परंपरा को सम्मानित करता है। श्रीमती नीता अंबानी ने कहा, ''गुरु-शिष्य परंपरा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर की रीढ़ रही है।'' कार्यक्रम की शुरूआत श्रीमती नीता अंबानी के भावनात्मक संदेश से हुई, जिसमें उन्होंने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''हमारे जीवन में हमारे माता-पिता पहले शिक्षक होते हैं। मेरे जीवन में मेरे माता-पिता की भूमिका के लिए मैं अत्यंत आभारी हूं। मेरे पिता की दयालुता और मेरी माँ की अडिग निष्ठा और मेहनत ने मुझे गहराई से प्रभावित किया है। यह हमारा सपना है कि हमारी धरोहर और परंपराएं सराही जाएं और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचें। मुझे खुशी है कि यह सपना साकार हो गया है।'' कार्यक्रम में घटनम सिम्फनी का प्रदर्शन हुआ, जिसमें विद्वान विक्कु विनायकम के परिवार की तीन पीढ़ियों - वी. सेल्वा गणेश, उमा शंकर और स्वामीनाथन सेल्वा गणेश - ने

भाग लिया। विनायकम परिवार के सबसे कम उम्र के कलाकार तत्त्व ने भी अपनी शुरूआत इस कार्यक्रम से की। आने वाले कार्यक्रमों में रतिकांत मोहपात्रा अपने पिता ओडिसी कलाकार गुरुजी श्री केलुचरण मोहपात्रा को श्रद्धांजलि देंगे और भरतनाट्यम मएस्त्रो रमा वैद्यनाथन अपनी बेटी सन्निधि और 25 शिष्यों के साथ प्रस्तुति देंगी। 27 जुलाई को राहुल शर्मा, 50-सदस्यीय ऑर्केस्ट्रा के साथ, अपने पिता पंडित शिवकुमार शर्मा को रागों और शास्त्रीय संगीत के माध्यम से श्रद्धांजलि देंगे।

श्री टोडरमल दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के नवीन भवन का हुआ शिलान्यास

जुटे देशभर से हजारों स्नातक, साक्षी बने समारोह के

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री टोडरमल दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के नवीन भवन का शिलान्यास बापूनगर स्थित पंडित टोडरमल स्मारक परिसर में हुआ। शिलान्यास समाजश्रेष्ठी हीतु भाई शाह व अनंत भाई दोषी ने किया। मुख्य अतिथि जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा व विधायक कालीचरण सराफ रहे। इस आयोजन में देशभर से करीब 1 हजार के आसपास स्नातक जुटे और नए भवन के शिलान्यास समारोह के साक्षी बनते हुए इस नए भवन के शिलान्यास समारोह के नयनाभिराम आखों से देखकर भाव-विभोर हो उठे। पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार गोदिका व महामंत्री परमात्मप्रकाश भारिल्ल ने बताया कि रविवार को इस सदी का ऐतिहासिक ह्यभव्य शिलान्यास समारोहह्य का शुभारंभ गांधी नगर क्लब में शुरू हुआ।इस मौके पर समाजश्रेष्ठी हीतु भाई शाह व अक्षय भाई दोषी ने किया। मुख्य अतिथि जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा व विधायक कालीचरण सराफ,आईएएस कुलदीप रांका आदि का ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार गोदिका, महामंत्री भारिल्ल,षुद्धात्म प्रकाश भारिल्ल व पंडित टोडरमल सिद्धांत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.शांति कुमार पाटील, पंडित अध्यात्म प्रकाष भारिल्ल वं ट्रस्ट के प्रबंधक पीयूष शास्त्री आदि ने स्वागत व सम्मान किया। उन्होंने बताया कि इस महाविद्यालय का स्वप्न संजोया था तत्त्ववेत्ता डॉ. हुकमचंद भारिल्ल ने,जो साकार हुआ सन 1977 में। शिलान्यास सन 1977 में राजस्थान के समकालीन मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत के करकमल से किया गया था। अभी तक इस महाविद्यालय से लगभग 1000 से अधिक जैनदर्शन के अधिकारी विद्वान तैयार हो चुके हैं, और वर्तमान में लगभग 175 विद्यार्थी अध्यनरत हैं जो शिक्षा ग्रहण का शास्त्री विद्वान बनकर तैयार हो जाएंगे उनके आवास, भोजन व शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था निशुल्क इस भवन में की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान की आवश्यकता को देखते हुए विद्वानों की संख्या दोगुनी करने के पवित्र उद्देश्य के साथ इस भवन की क्षमता को भी बढ़ाया जा रहा है और हाईटेक तकनीक से सात मंजिला नवीन भवन तैयार करवाया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों की सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा। इस मौके पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी,जो सभी के बीच आकर्षण का केन्द्र रही। उन्होंने बताया कि इसके बाद गांधी नगर क्लब से बापू नगर स्थित पंडित टोडरमल स्मारक भवन तक शोभायात्रा निकाला गई। शोभायात्रा में विद्यार्थी व श्रावकजन भाव-विभोर होकर नाच रहे थे,यह शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई पंडित टोडरमल स्मारक भवन पहुंची जहां पर शिलान्यास समाजश्रेष्ठी हीतु भाई शाह व अक्षय भाई दोषी के साथ राकेश अनिल गगवाल, प्रदीप चौधरी, सुनील अक्षत, अजित प्रसाद आदि अनेक समाज जानो ने ने विधि विधान व भजनों की स्वर लहरियों के बीच किया। इस दौरान ''एक ईंट मेरी भी'' अभियान में सम्मिलित होकर स्नातकों के साथ-साथ व श्रावकजनों ने शामिल हुए इस अभियान में अपना सहयोग दिया। इस मौके पर श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, अक्षत ग्रुप के निदेशक सुनील जैन पहाड़िया, दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र जैन पांडया,दिगम्बर जैन सोशल रीजन के राजस्थान के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या,मनीष बैद, राकेश गोदिका सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

सावन में किया आगाज जनकपुरी महिला मंडल ने धूमधाम से संपन्न किया लहरिया उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी महिला मंडल ने सावन के प्रारंभ होते ही आनंद से सरोवर होकर शानदार जानदार तरीके से लहरिया उत्सव कार्यक्रम का आगाज किया । इस लहरिया उत्सव में बहुत सारे खूबसूरत मनोरंजक एवं आकर्षक गेम्स भी खिलाएं गए अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिन्दायका ने बताया कि लगभग 55 सदस्यों ने लहरिया ड्रेस कोड में उपस्थित होकर पूर्ण अनुशासन का परिचय दिया मंत्री अनीता के अनुसार कार्यक्रम में मनोरंजक गेम्स विजेता सोनिया एवं अनीता जी रही शानदार लहरिया में सजी-धजी लहरिया क्वीन पुरस्कार से संगीता पांड्या को पुरस्कृत किया गया ।कोषाध्यक्ष सुनीता भौच ने बताया कि कार्यक्रम में सुनीता पांड्या खोरा वाले विशिष्ट अतिथि रही दीप प्रज्वलनकर्ता स्नेहलता हैप्पी मैन रही कार्याध्यक्ष उर्मिला के अनुसार लकी ड्रा के पुरस्कार भी दिए गए सभी कार्यकारिणी सदस्यों सुलोचना बीना छाया मीना जैन पुष्पा स्नेहलता शीला सुनीता आदि ने व्यवस्था में पूरा सहयोग कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए । पदम बिलाला जिनको समाज के लिए किए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए आचार्य शांति सागर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। का महिला मंडल ने सम्मान कर उनकी अनुमोदन कर स्वयं को गौरवान्वित किया सब ने भोजन का आनंद लिया एवं अंत में अध्यक्ष शकुंतला के द्वारा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया